दक्षिणी जापान में बारिश और बाढ़ का कहर, अब तक करीब 100 की मौत

हिरोशिमा– जापान के दक्षिणी इलाकों में लगातार तीसरे दिन मूसलाधार बारिश ने प्रशासन की परेशानियों को और बढ़ा दिया है जबकि बारिश संबंधी घटनाओं में 48 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और 28 अन्य के मारे जाने की आशंका है. प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने आपदा की इस घड़ी को 'समय के साथ जंग'बताया क्योंकि हर गुजरते मिनट के साथ परेशानियां बढ़ती जा रही हैं.

वहीं, सोमवार को समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, जापान सरकार ने कहा कि अभी तक भारी बारिश से करीब 100 लोगों की मौत हो गई है. भारी बारिश के बीच आज क्यूशू और शिकोकू द्वीप के लिये नई आपदा चेतावनी जारी की गई है.

प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने कहा, 'बचाव अभियान, लोगों की जान बचाना और विस्थापन का कार्य समय के खिलाफ एक लड़ाई है.

'उन्होंने कहा, 'अब भी कई ऐसे लोग हैं जिनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जानी बाकी है.' सरकार के शीर्ष प्रवक्ता योशिदी सुगा ने कहा कि बारिश संबंधी घटनाओं में 48 लोगों की जान जा चुकी है, लेकिन अभी यह आंकड़ा और बढ़ सकता है.

सुगा ने कहा कि करीब 92 लोगों के ठिकानों का कुछ पता नहीं चल पा रहा है. उन्होंने कहा कि अलग-अलग घटनाओं, जैसे कार बहने आदि में, 100 से ज्यादा लोगों के हताहत होने की खबरें मिली हैं. उन्होंने बताया कि राहत मिशन में 40 के करीब हेलीकॉप्टर लगे हुए हैं. पश्चिम जापान में बारिश से हालात सबसे अधिक खराब हैं. कुछ गांव पूरी तरह डूब गए है, जहां मदद पहुंचने तक कुछ लोगों ने अपने घर की छतों पर पनाह ली. मूसलाधार बारिश से अचानक बाढ़ आ गई और भूस्खलन हुआ. इस कारण अधिकारियों को करीब 20 लाख लोगों को उनकी जगह से हटाना पड़ा. सैकड़ों लोग घायल हुए हैं और दर्जनों घर भी पूरी तरह तबाह हो गए.

हिरोशिमा प्रांत के आपदा प्रबंधन अधिकारी योशीहीदी फुजीतानी ने कहा, 'हम चौबिस घंटे बचाव अभियान चला रहे हैं.' उन्होंने कहा, 'हम बचाए गए लोगों की देखरेख कर रहे हैं और जीवन के बुनियादी ढांचों पानी और गैस को बहाल करने के भी प्रयास जारी हैं.' फुजीतानी ने कहा, ''हम अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हैं.' सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि एक विशेष आपदा प्रकोष्ठ का गठन भी किया गया है. मौसम विज्ञान एजेंसी ने आज दो नए क्षेत्रों में भी हाई अलर्ट जारी कर दिया। वहीं कई क्षेत्रों से अलर्ट हटाया भी गया जहां बारिश थोड़ी हल्की हुई है.

मुख्यमंत्री का इजरायल दौरा गुजरात के स्टार्ट अप और ईकोसिस्टम में आमूलचूल परिवर्तनकारी बनेगा

मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी के नेतृत्व में इजरायल के सफल दौरे के बाद गुजरात पहुंचे प्रतिनिधिमंडल की यह यात्रा गुजरात में स्टार्टअप ईकोसिस्टम में आमूलचूल परिवरतन लाने वाली साबित होगी।

श्री रूपाणी की अगवानी में इजरायल दौरा कर वापस लौटे प्रतिनिधिमंडल ने इस प्रवास में इजरायल के एग्रीकल्चर, वाटर मैनेजमेंट, सायबर सिक्युरिटी और स्टार्टअप इनोवेशन के एकस्पर्ट्स से जानकारी हासिल की है और इन तमाम क्षेत्रों में गुजरात को महत्तम लाभ को केन्द्र में रखा।

गुजरात ने युवाशक्ति के सामर्थ्य से प्रधानमंत्री के नया भारत निर्माण से युवाशक्ति को वैश्विक बनाने का संकल्प लिया है और इसमें स्टूडेंट्स स्टार्टअप पॉलिसी, इंडस्ट्री और आईटी स्टार्टअप-इंक्युबेटर्स के आयामों से अपना योगदान दिया है।

इजरायल प्रतिव्यक्ति स्टार्टअप रेवन्यु के मामले में विश्व में नम्बर वन है। अब स्टार्टअप क्षेत्र मां विख्यात इजरायल की स्टार्टअप विशेषज्ञता का लाभ गुजरात के युवाओं को दिलवाने के लिए मुख्यमंत्री ने इजरायल के दौरे में खास ध्यान केन्द्रित किया था।

मुख्यमंत्री ने गुजरात के युवाओं को विश्वस्तरीय स्टार्टअप-इनोवेशंस की खूबियों का लाभ दिलवाने की प्रतिबद्धता के साथ इजरायल सरकार संचालित स्टार्टअप नेशनल सेंटर का निरीक्षण किया था। यह सेंटर इजरायल के युवा स्टार्टअप को आईडियाज शेरिंग का प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाता है। साथ ही उद्योग-सेवा क्षेत्रों सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत स्टार्टअप का सम्पूर्ण डेटाबेज़ इंटीग्रेटेड करके नेटवर्किंग में भी स्टार्टअप्स का सहयोग करता है।

श्री रूपाणी ने इस इंटिग्रेटेड डेटाबेज-नेटवर्किंग का व्यापक विनियोग गुजरात में स्टुडेंट्स स्टार्टअप, इंडस्ट्रीज और आईटी क्षेत्र के स्टार्टअप के लिए करके गुजरात के युवा स्टार्टअप को ग्लोबल प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाने के बारे में भी परामर्श किया था। साथ ही, इजरायल के प्रधानमंत्री श्री बेंजामिन नेतन्याहु के साथ मुलाकात के दौरान उनके सुझाव के अनुसार सायबर अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम का लाभ गुजरात के युवाओं को दिलवाने पर भी चर्चा की थी। इसका आयोजन भी किया गया है। इसके अंतर्गत गुजरात- इजरायल के युवाओं को स्पॉन्सर कर पांच से दस सप्ताह के अप्रेंटिस प्रोग्राम में शामिल कर लिया जाएगा। अन्य स्टार्टअप अप्रेंटिस के अंतर्गत गुजरात- इजरायल के द्वारा 5-5 हजार युएस डॉलर के समान सहायता भी प्रदान की जाएगी। इजरायल और भारत के बीच सम्बन्ध प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री श्री बेंजामिन नेतन्याहु के गहरे सम्बन्धों के चलते मजबूत बने हैं। गुजरात में स्टार्टअप को गति प्रदान करने के लिए इजरायल बहुत सहयोग कर रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री श्री बेंजामिन नेतन्याहु ने जनवरी 2018 में अहमदाबाद के पास इंटरनेशनल सेंटर फॉर एंटरप्रिन्योर एंड टेक्नोलॉजी (आईक्रियेट) का प्रारम्भ कर भारत-इजरायल के बीच के सम्बन्धों में युवा स्टार्टअप को व्यापक अवसर प्रदान किया है और सम्बन्धों को गहरा किया है। इसमें श्री विजय रूपाणी और गुजरात के प्रतिनिधिमंडल का दौरा नयी गरिमा प्रदान करेगा।

इजरायल स्टार्टअप और इनोवेशन की व्यवस्था सृजन में बहुत आगे है। युएस की सिलिकॉन वेली की तरह इजरायल में तेल अवीव के पास सिलिकॉन वाडी क्षेत्र स्टार्टअप का हब माना जाता है। इजरायल की इस सफलता का लाभ गुजरात की युवाशक्ति को मिलने से गुजरात भी इजरायल पेटर्न पर स्टार्टअप- इंक्युबेशन में अग्रसर बनेगा।

इजरायल के युवा स्टार्टअप भी आईक्रियेट में आकर अपने आइडियाज़ और नयी शोध- संशोधन का गुजरात के स्टार्टअप के साथ शेरिंग करेंगे। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में इजरायल के तीन इनोवेटिव स्टार्टअप्स ने गुजरात की आईक्रियेट के साथ समझौता करार करके गुजरात में अपनी टेक्नोलॉजी को लाभ देने की उत्सुकता दर्शायी।

यह समझौता करार फलों आदि में कीट नियंत्रण के लिए केमिकल स्प्रे के कम उपयोग की इनोवेटिव टेक्नोलॉजी के लिए, गन्दे पानी के शुद्धिकरण की मात्रा और गति बढ़ाने के लिए इनोवेटिव बायोफिल्म के उपयोग और इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों की फास्ट चार्जिंग के लिए इनोवेटिव टेक्नोलॉजी के लिए किए गए।

यह समझौता करार करने वाली स्टार्टअप कम्पनियों सहित अन्य उत्सुक स्टार्टअप को गुजरात में आईक्रियेट अहमदाबाद में उनके कारोबार को स्थापित करने के लिए मार्गदर्शन देगी। इजरायल में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में इन तीन एम.ओ.यु. के साथ ही दि पीयर्स प्रोग्राम फॉर ग्लोबल इनोवेशन का भी आईक्रियेट के साथ करार हुआ।

गुजरात में इनोवेशन को प्रोत्साहन देने के लिए गुजरात के प्रतिनिधिमंडल ने इजरायल प्रवास के दौरान स्टार्टअप नेशनल सेंट्रल, पिअर्स प्रोग्राम फॉर ग्लोबल इनोवेशन, वाटेक, एक्वाइज़, अमिज, इन्जुटिक, चक्रटेक और वालापे जैसे इजरायली स्टार्टअप्स को भी गुजरात आने का निमंत्रण दिया है। मुख्यमंत्री और गुजरात के प्रतिनिधिमंडल का इजरायल दौरा गुजरात के युवा स्टार्टअप्स के लिए वैश्विक क्षितिजों को खोलने में सहायक साबित होगा।

श्रेई इक्विपमेंट फाइनेंस की रेटिंग एए में अपग्रेड की गई

मुंबई, भारत के सबसे बड़े इक्विपमेंट फाइनेंस संस्थानों में से एक, श्रेई इक्विपमेंट फाइनेंस लिमिटेड (''एसईएफएल'') ने आज घोषणा की कि केयर रेटिंग ने कंपनी के लॉन्ग टर्म फैसिलिटीज की रेटिंग को सकारात्मक आउटलुक के साथ 'केयर एए-' से 'केयर एए' में स्टेबल आउटलुक के साथ अपग्रेड किया है।

रेटिंग अपग्रेड वित्तीय वर्ष 2017-18 में वितरण में महत्वपूर्ण वृद्धि के आधार पर एसईएफएल की वित्तीय जोखिम प्रोफाइल में समग्र सुधार दर्शाता है (अवधि 1 अप्रैल से 31 मार्च तक)। इससे लाभप्रदता, संग्रह दक्षता और संपत्ति गुणवत्ता संकेतकों में सुधार नजर आता है। गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (''एनपीए'') में निरंतर कमी में मानक पुनर्गठित संपत्तियां, ऋण की संतुष्टि में अधिग्रहित संपत्ति और नेटवर्थ के प्रतिशत के रूप में पुनर्वासित संपत्तियों के कारण भी रेटिंग अपग्रेड संभव हुई है। रेटिंग को कंपनी की स्थापित स्थिति और निर्माण और खनन उपकरण (''सीएमई'') वित्तपोषण सेगमेंट में विशेषज्ञता, अनुभवी प्रमोटरों, बड़े ग्राहक आधार के साथ अच्छी तरह से स्थापित व्यापार नेटवर्क और उद्योग मूल्य श्रृंखला में समूह की उपस्थिति से मजबूत किया जाता है।

रेटिंग अपग्रेड के बारे में जानकारी देते हुए एसईएफएल के सीईओ श्री देवेन्द्रकुमार व्यास कहते हैं, '' रेटिंग अपग्रेड ने हमारे हितधारकों के लिए अधिकतम मूल्य सृजित करने के लिए एसईएफएल के निरंतर प्रयासों की पुष्टि की है। हमारे लगभग तीन दशकों के बाजार अनुभव, ग्राहक केंद्रितता के आधार पर कुशलतापूर्वक और मजबूत व्यापार मॉडल के जोखिमों का आकलन करने की क्षमता ने हमें लाभप्रद रूप से आगे बढ़ने में मदद की है। (1)

सीरिया की वायुसेना ने इजरायल के फाइटरप्लेन को बनाया निशाना

नई दिल्ली– सीरिया की वायुसेना ने इजरायल द्वारा सीरिया के टी-4 सैन्यअड्डे पर हवाई हमलों के दौरान उसके युद्धविमान को मार गिराया. सिन्हुआ ने सीरिया के सरकारी टीवी के हवाले से बताया कि सीरिया की वायुसेना ने रविवार को इजरायली युद्धविमानों को अपने वायुक्षेत्र से खदेड़ दिया. इससे पहले इजरायल के एक लड़ाकू विमान को मार गिराया गया जबकि कई मिसाइलों को रोक दिया गया. हालांकि सीरिया के सरकारी टीवी की इस रिपोर्ट में इजरायली युद्धविमान के लक्षित निशाने के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई.

पश्चिम रेलवे द्वारा सौराष्ट्र तथा अहमदाबाद होकर चलनेवाली 07 जोड़ी ट्रेनों में अस्थायी तौर पर जोड़े जायेंगे अतिरिक्त डिब्बे

माननीय रेल मंत्री श्री पीयूष गोयल के निर्देशानुसार ग्रीष्मकालीन अवकाशों के दौरान नियमित ट्रेनों में अतिरिक्त भीड़ को कम करने तथा यात्रियों को बेहतर सहूलियत प्रदान करने हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न ट्रेनों में अस्थायी के साथ-साथ स्थायी तौर पर अतिरिक्त डिब्बे जोड़े गये हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री रविंद्र भाकर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अवकाश के दौरान अतिरिक्त भीड़ को कम करने हेतु सौराष्ट्र तथा अहमदाबाद होकर चलनेवाली 07 जोड़ी ट्रेनों में अस्थायी तौर पर अतिरिक्त डिब्बे जोड़े गये हैं। जोड़े गये अतिरिक्त डिब्बों का विवरण निम्नानुसार है- ट्रेन सं. 22955/22956 बांद्रा टर्मिनस-भुज कच्छ एक्सप्रेस ट्रेन में एक अतिरिक्त एसी 3 टियर डिब्बा जोड़ा जायेगा। यह अतिरिक्त डिब्बा बांद्रा टर्मिनस से 1 अगस्त, 2018 तक एवं भुज से 31 जुलाई, 2018 तक जोड़ा जायेगा।

ट्रेन सं. 22915/22916 बांद्रा टर्मिनस-हिसार एक्सप्रेस ट्रेन में एक अतिरिक्त एसी 3 टियर डिब्बा जोड़ा जायेगा। यह अतिरिक्त डिब्बा बांद्रा टर्मिनस से 30 जुलाई, 2018 तक एवं हिसार से 31 जुलाई, 2018 तक जोड़ा जायेगा।

ट्रेन सं. 22931/22932 बांद्रा टर्मिनस-जैसलमेर एक्सप्रेस ट्रेन में एक अतिरिक्त एसी 3 टियर डिब्बा जोड़ा जायेगा। यह अतिरिक्त डिब्बा बांद्रा टर्मिनस से 6 जुलाई, 2018 से 27 जुलाई, 2018 तक एवं जैसलमेर से 7 जुलाई, 2018 से 28 जुलाई, 2018 तक तक जोड़ा जायेगा।

ट्रेन सं. 22935/22936 बांद्रा टर्मिनस-पालिताना सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में एक अतिरिक्त एसी 3 टियर डिब्बा जोड़ा जायेगा। यह अतिरिक्त डिब्बा बांद्रा टर्मिनस से 6 जुलाई, 2018 से 27 जुलाई, 2018 तक एवं पालिताना से 7 जुलाई, 2018 से 28 जुलाई, 2018 तक जोड़ा जायेगा।

ट्रेन सं. 19115/19116 दादर-भुज एक्सप्रेस ट्रेन में एक अतिरिक्त एसी 3 टियर डिब्बा जोड़ा जायेगा। यह अतिरिक्त डिब्बा दादर से 31 जुलाई, 2018 तक एवं भुज से 1 अगस्त, 2018 तक जोड़ा जायेगा।

ट्रेन सं. 22969/22970 ओखा-वाराणसी एक्सप्रेस ट्रेन में एक अतिरिक्त एसी 3 टियर डिब्बा जोड़ा जायेगा। यह अतिरिक्त डिब्बा ओखा से 26 जुलाई, 2018 तक एवं वाराणसी से 7 जुलाई, 2018 से 28 जुलाई, 2018 तक जोड़ा जायेगा। ट्रेन सं. 19573/19574 ओखा-जयपुर एक्सप्रेस ट्रेन में एक अतिरिक्त एसी 3 टियर डिब्बा जोड़ा जायेगा। यह अतिरिक्त डिब्बा ओखा से 30 जुलाई, 2018 तक एवं जयपुर से 31 जुलाई, 2018 तक जोड़ा जायेगा।

हमारे मेडिकल कॉलेजों की शिक्षा की गुणवत्ता भारत के स्वस्थ भविष्य का जीवन आधार है – उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति श्री एम वेंकैया नायडु ने कहा है कि हमारे मेडिकल कॉलेजों की शिक्षा की गुणवत्ता भारत के स्वस्थ भविष्य का जीवन आधार है। उन्होंने उपचार करते समय रोगियों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार रखने की भी अपील की। वह आज चेन्नई में तमिलनाडु डॉ. एम जी आर चिकित्सा विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. सी विजया भास्कर, तमिलनाडु के मात्स्यिकी मंत्री श्री डी जयकुमार एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि विश्वविद्यालयों को अनिवार्य रूप से हमारे छात्रों को सर्वश्रेष्ठ अध्ययन माहौल प्रदान करना चाहिए एवं अगर हम अलग थलग रहेंगे तो कभी भी विकसित नहीं हो पाएंगे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि स्वास्थ्य देखभाल की गुणवत्ता मुख्य रूप से स्वास्थ्य देखभाल चिकित्सकों पर निर्भर करती है। अपनी पहली प्रोन्नति पाने से पूर्व युवा चिकित्सकों को अनिवार्य रूप से ग्रामीण क्षेत्र में कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों के पास वर्तमान भारतीय परिप्रेक्ष्य में कई प्रकार के अवसर सुलभ हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि चिकित्सकों को हमारी आबादी के लाभ के लिए सर्वश्रेष्ठ वैश्विक प्रचलनों का अनुपालन एवं अंगीकरण करना चाहिए।

यस बैंक को म्युच्युअल फण्ड बिजनेस लॉन्च की सेबीने दी मंजूरी

यस बैंक यह भारत का चौथा सबसे बड़ा निजी क्षेत्र बैंक होने के साथ उन्होंने अपने म्युच्युअल फण्ड बिजनेस लॉन्च की घोषणा की और सिक्युरिटीज अँड एक्स्चेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने अंतिम नियामक मंजूरी दी(पंजीकरण का प्रमाण पत्र दिया), तथा रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडियाने यस बँक को म्युच्युअल फण्ड बिजनेस में निवेश करने की मंजूरी दी और साथ ही सेबी के सिद्धांतों का स्वीकार किया है।

इस समय श्री.राणा कपूर,मॅनेजिंग डायरेक्टर अँड सीईओ,यस बँक ने बताया की,यस ॲसेट मॅनजमेंट (इंडिया) लिमिटेड बँक के नॉलेज और अनुभव के आधार पर रिज़र्व, कॉर्पोरेट और संस्थागत निवेशक को लाभ होगा.साथ ही इक्विटी और डेब्ट कॉपिटल मार्केट में उनकी संपत्ती प्रबंध के लिये होगा और वायएएमआयएल (ड्रुस्ड्रुस्) ग्राहकों को डिजिटल वितरण नेटवर्क प्रदान करता है तथा यस बँकने अपने सभी ग्राहकों को गुणवत्ता सेवा देने के साथ ही मजबूत तंत्रज्ञान और बेस्ट-इन-प्रोसेस यह बुनियादी ढांचा स्थापित किया है ।यस ॲसेट मॅनजमेंट (इंडिया) लिमिटेड यह यस बँक टॉवर,लोअर परेल इनोव्हेशन डिस्ट्रिक्ट, हेडक्वार्टर से कार्य करेगा, तथा आधुनिक सुविधा के सक्षम प्रबंध टीम को शामिल किया गया है।

केटीएम द्वारा चांदखेड़ा में रोमांचक स्टंट शो का आयोजन

चांदखेड़ा, यूरोपीयन रेसिंग लीजेंड केटीएम द्वारा चांदखेड़ा में दिलधड़क और रोमांचक केटीएम स्टंट शो आयोजित किया गया था। इस स्टंट शो को माइंडब्लोइंग स्टंट राईड्स और प्रोफ़ेशनल स्टंट राइडर्स के ट्रिक्स को दिखाने के लिए आयोजित किया गया था।

यह स्टंट शो चाणक्य प्लाजा, इंडसलेंड बैंक के सामने, न्यू सी.जी.रोड,चांदखेड़ा में आयोजित किया गया था। व्यावसायिक स्टंट टीम ने केटीएम ड्यूक बाइक पर स्टंट दिखाया।

बजाज ऑटो लिमिटेड प्रोबाइकिंग के अध्यक्ष, अमित नंदी ने कहा, केटीएम ब्रांड अपने उच्च प्रदर्शन रेसिंग बाइक के लिए जाना जाता है और हम हमेशा चाहते हैं कि ग्राहक केटीएम बाइक का अनुभव करें जो साहस और रोमांच के लिए प्रेरित हो। व्यावसायिक स्टंट शो हर प्रमुख शहर में आयोजित किया जाता है और अगले कुछ दिनों में बढ़ाया जाएगा। केटीएम एक विशेष रूप से प्रीमियम ब्रांड है और हम उत्सुकता से दिखा रहे हैं कि हम केटीएम ग्राहकों को इस अद्वितीय केटीएम का एक विशेष अनुभव दे सकते हैं।

केटीएम के प्रशंसकों केटीएम बाइक की विभिन्न श्रेणियों को 11, साबरमती मनमोहन सोसायटी, कलोल हाइवे रोड,शिव शक्ति नगर बीआरटीएस बस स्टेण्ड के सामने, चांदखेड़ा, गुजरात से खरीद शक्ति है। (19-10)

रेलवे बोर्ड के चेयरमेन अश्वनी लोहानी द्वारा गांधीनगर स्टेशन का निरीक्षण

रेलवे बोर्ड के चेयरमेन एवं रेलमंत्रालय के पदेन सचिव श्री अश्वनी लोहानी ने आज गांधीनगर कैपिटल स्टेशन पर रिडवलपमेंट प्रोजेक्ट का गहनता से निरीक्षण किया तथा महात्मा मंदिर के कान्फ्रेंस हाल में विभिन्न समन्वय एजेंसियों से चर्चा एवं परियोजना की व्यापक समीक्षा भी की। उन्होने सभी एजेंसियों से निर्माण कार्यों में तेजी लाने तथा उसे निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के व्यापक दिशा निर्देश भी दिये।

श्री लोहानी ने गांधीनगर स्थित सचिवालय में गुजरात सरकार के मुख्य सचिव श्री जे.एन. सिंह से भी सौजन्य मुलाकात की तथा उनके साथ बैठक में चर्चा के दौरान सितम्बर 2018 तक सभी मानव रहित समपार फाटको को समाप्त करने के लिए राज्य सरकार से अपेक्षित सहयोग की अपील की। उन्होने इस दौरान इन्डीयन रेल स्टेशन डवलपमेन्ट कार्पोरेशन के साथ चल रहे स्टेशन रिडवलपमेंट प्रोजेक्ट को तय समय सीमा (जनवरी 2019) तक पुरा करने का वादा भी किया। चर्चा के दौरान नेशनल हाईस्पीड कार्पोरेशन के लिए भूमि सम्बधित मुद्दे तथा डिडिकेटेड फ्रेट कारीडोर के कुछ मुद्दों पर भी चर्चा एवं विस्तार से विचार विमर्श किया गया।

चेयरमेन श्री लोहानी ने अहमदाबाद के भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में युवा प्रबंधकों एवं एल्युमिनाई के साथ परिसंवाद भी किया तथा भारतीय रेलवे के पथ पर अग्रसर होने के साथ साथ देश की गति एवं प्रगति में उनकी अहम भूमिका तथा अपने सेवा काल के दौरान मध्यप्रदेश पर्यटन व एयर इण्डिया के अपने अनुभव भी साझा किये। उन्होने युवा प्रबंधकों से देश के लिए आगे आने एवं उसकी प्रगति व विकास के लिए जोखिम उठाने का भी आह्वान किया।

उनके इस दौरे के अवसर पर उनके साथ पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री ए. के. गुप्ता, रेल मंत्रालय के एडवाईजर इंफ्रा श्री एस के. मिश्रा, आईआरएसडीसी के एमडी श्री एस. के. लोहिया, परे के मुख्य परियोजना अधिकारी (निर्माण) श्री एम. के. गुप्ता तथा मण्डल रेल प्रबंधक श्री दिनेश कुमार भी थे।

भारतीय रेल की सर्वप्रथम डबल स्टैक ड्वार्फ कंटेनर ट्रेन राजकोट मंडल से चलायी गयी

पश्चिम रेलवे, राजकोट मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पी बी निनावे ने भारतीय रेलवे की सर्वप्रथम डबल स्टैक ड्वार्फ कंटेनर ट्रेन को प्रस्थान संकेत दिखाकर आज सुबह 11.00 बजे राजकोट रेलवे स्टेशन पर से रवाना किया. पोली प्रोपलीन ग्रेनुल्स से लदे हुए कुल 82 कंटेनर्स की यह ट्रेन जामनगर से करीब 27 किलोमीटर दूर कानालुस में स्थित रिलायंस रेल साइडिंग से हरियाणा राज्य में रेवाडी के लिए बुक की गयी है. रेलवे को यह ट्रेन चलाने से एक बार में 18.50 लाख का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ है. वर्तमान में रिलायंस इंडस्ट्रीज की राजकोट मंडल से प्रति माह 2 से 3 ट्रेन बुक करवाने की योजना है जो कि भविष्य में और अधिक बढ़ने की संभावना है.

डबल-स्टैक बौना कंटेनर ऊंचाई में 6 फीट 4 इंच होते हैं और विद्युतीकृत मार्गों पर भी चलते हैं। बौने कंटेनर आकार में छोटे हैं और डबल-स्टैक आंदोलन को सक्षम करते हैं। इन कंटेनर में अधिकतम 30,500 किलोग्राम तक का सामान लोड किया जा सकता है. नियमित कंटेनर्स की तुलना में इन कंटेनर की ऊंचाई 662 मिलीमीटर कम होती है तथा चौड़ाई 162 मिलीमीटर अधिक होती है. इनमें वॉल्यूम के मामले में पारंपरिक कंटेनर की तुलना में करीब 67 प्रतिशत अधिक क्षमता है. वर्तमान में, ज्यादा ऊंचाई के होने की वजह से नियमित डबल-स्टैक ड्वार्फ कंटेनर भारतीय रेल के कुछ गिनेचुने मार्ग पर से ही चलाये जा सकते है जबकि इन छोटी ऊंचाई के कंटेनर को अधिकतम मार्गों पर आसानी से चलाया जा सकता है. इन डबल-स्टैक बौना कंटेनर के उपयोग से सड़क की तुलना में रेल परिवहन सस्ता होकर यूनिट लागत में काफी कमी आएगी. फिलहाल में ÒLow Density ProductsÓ जैसे कि प्लास्टिक ग्रेनुल्स, पीवीसी पोलिस्टिक फैब्रिक, वाइट गुड्स, स्वस्थ्य उत्पाद, पोलीएथिलीन, ऑटो कार, इत्यादि की ढुलाई ज्यादातर सड़क मार्ग से हो रही है जो अब बौने कंटेनर में ढुलाई की लागत कम होने की वजह से रेलवे को मिलने की उम्मीद है. सामान्य ढुलाई दर पर, डबल-स्टैक बौना कंटेनर ट्रेन 50 प्रतिशत से ज्यादा राजस्व उत्पन्न कर सकती है।

DRM श्री निनावे ने भारतीय रेल की सर्वप्रथम डबल स्टैक ड्वार्फ कंटेनर ट्रेन को राजकोट मंडल से चलाए जाने पर सभी को बधाई दी तथा इससे रेल राजस्व में काफी बढ़ोत्तरी होने की संभावना भी व्यक्त की. इस अवसर पर राजकोट मंडल के ADRM श्री एस एस यादव, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री रविन्द्र श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक श्री अभिनव जैफ़, सहायक वाणिज्य प्रबंधक (कोचिंग) श्री राकेश कुमार पुरोहित, अन्य विभागों के वरिष्ठ रेल अधिकारी व कर्मचारी तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे.

पूंजीगत वस्तु उद्योग ने रखी भारत में नए परियोजना

देश में पूंजीगत वस्तु एवं प्रसंस्करण उपकरण बनाने तथा निर्यात करने वाले उद्योग की प्रतिनिधि संस्था प्रोसेस प्लांट एंड मशीनरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (पीपीएमएआई) ने केंद्रीय इस्पात मंत्रालय और भारी उद्योग विभाग से पूंजीगत उपकरणों एवं मशीनरी के आयात को फौरन मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की नकारात्मक सूची में डालने तथा भारत में नए निवेश के लिए पुराने संयंत्र एवं मशीनरी के आयात पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया है। वाणिज्य मंत्रालय को विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों एवं समग्र आर्थिक साझेदारी समझौतों (सीईपीए) के तहत दी जा रही आयात शुल्क छूट को फौरन बंद कर देना चाहिए। प्रोसेस प्लांट एंड मशीनरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (पीपीएमएआई) के चेयरमैन श्री यतिंदर पाल सिंह सूरी ने कहा, वित्त मंत्रालय, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय और भारी उद्योग विभाग समेत प्रत्येक मंत्रालय जानता है कि कम आर्थिक वृद्धि के कारण देश में पूंजीगत वस्तु क्षेत्र मुरझाया हुआ है और पिछले कई वर्षों से इसकी वृद्धि नकारात्मक रही है। पुराने संयंत्रों एवं उपकरणों के आयात पर प्रतिबंध तथा एफटीए एवं सीईपीए के तहत विभिन्न देशों को दी जा रही छूट पर रोक लगाकर क्षेत्र की सहायता की जानी चाहिए।

श्री सूरी ने कहा, हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय के अधीन वाणिज्य विभाग ने भारत कोरिया सीईपीए के अंतर्गत विभिन्न नियमों के तहत पूंजीगत उपकरणों पर आयात शुल्क में कटौती का अनुरोध किया है। एफटीए और सीईपीए के तहत ऐसी रियायतें देसी पूंजीगत वस्तु उद्योग को बहुत नुकसान पहुंचा रही हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' अभियान को भी झटका दे रही हैं।(1-7)

सेरेन्डिपिटी आर्ट्स फाउंडेषन ने धरती रेजिडेंसी के लिए गुजरात से दो कलाकारों का किया चयन

रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए मुंजाल की पहल सेरेन्डिपिटी आर्ट्स फाउंडेषन ने धरती आर्ट्स रेजिडेंसी के दूसरे संस्करण के लिए गुजरात से जागरुत रावल (श्रंहतनज त्ंअंस) और खुषबू पटेल का चयन किया है। रेजिडेंसी में चार कलाकार हैं - दो गुजरात से हैं औरएक उत्तर प्रदेष और एक कर्नाटक से हैं। इन कलाकारों को भारत भर से प्राप्त 150 से ज्यादा आवेदनों में से चुना गया है। कलाकार, क्यूरेटर्स और गैलरी संचालकों वाले जूरी सदस्यों में - मनीशा पारीख (कलाकार), रियास कोमू (क्यूरेटर एवं कलाकार), लतिका गुप्ता (क्यूरेटर एवं मार्ग की एसोसिएट एडिटर) और देविका दौलत-सिंह (डारेक्टर, फोटोइंक) षामिल थे।

तीन माह तक चलने वाली इस रेजिडेंसी के माध्यम से सेरेन्डिपिटी आर्ट्स फाउंडेषन का प्रयास इन उभरते कलाकारों को अपनी कला में पैनापन लाने और उसे विकसित करने के लिए न केवल संसाधन और जगह मुहैया कराना है, बल्कि समान रूप से महत्वपूर्ण चीज, उन्हें समुदाय के व्यापक संदर्भ में आत्म-खोज में सक्षम बनाना और विविध क्षेत्र के लोगों और नेटवर्क्स के साथ इंटरैक्ट करने का मौका उपलब्ध कराना है। रेजिडेंसी में विभिन्न मार्गदर्षन कार्यक्रम षामिल हैं, जिसके तहत् वे लोगों से जुड़ सकते हैं, प्रतिस्पर्धी समूह के साथ संवाद करना, आर्टिस्ट स्टुडियो का भ्रमण, पषेवर कलाकारों से व्यापक अनुभव प्राप्त करना, कलाकारों की परिचर्चा में षामिल होना और गैलरियों एवं आर्ट्स स्पेस देखने का मौका षामिल है। र्प्रत्येक कलाकार को अपने साथियों, उनके मार्गदर्षक और आलोचक के साथ अपने काम को साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिन्हें सेरेन्डिपिटी आर्ट्स फाउंडेषन के द्वारा परामर्षदाता के रूप में चुना गया है।(16)